मेरा श्याम जी लखदातार | By Sanjeev Kumar (Hansi)

मेरा श्याम जी लखदातार तू कैया तरसे
कैया तरसे रे तू कैया तरसे
कैया तरसे रे तू कैया तरसे
मेरा श्याम जी लखदातार.....

हीरा मोती सोना चांदी रोज़ ही लुटावे
सच्चे मन से खाटू जावे बिन मांगे ही पावे
बाबा की महर उसपे खूब बरसे
मेरा श्याम जी लखदातार तू कैया तरसे

बड़े बड़े साहूकार इसके दर से मांग के खावे
हर महीने ग्यारस पे बाबा के दर पे जावे
कोई ना खाली जावे इसके दर से
मेरा श्याम जी लखदातार तू कैया तरसे

संजीव कुमार भी भक्ता के संग में जावे
बाबा के कीर्तन में अर्ज़ी लगावे
झोली भर भर के ल्यावे इसके दर से
मेरा श्याम जी लखदातार तू कैया तरसे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%b2%e0%a4%96%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%a4%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-sanjeev-kumar-hansi/